पर्यटन अध्ययन

बीटीएस
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2017)

टीएस–4 और टीएस–5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

बीटीएस सत्रीय कार्य

पर्यटन अध्ययन सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

सत्रीय कार्य को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस–4 और टीएस–5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें। अपने सत्रीय कार्य के मुख पृष्ठ पर अपनी नामांकन सं., नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद, अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों के बीच देने अथवा जैसा सत्रीय कार्य में उल्लेख किया गया है, के अनुसार देने की आशा करते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें किः
   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।
   ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।
   ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) प्रस्तुतिः जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

डॉ.अरविन्द कुमार दुबे
कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	ज्नवरी 17 सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई 17 सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस–4	अप्रैल 15, 2017	अक्तूबर 15, 2017
टीएस–5	अक्तूबर 15, 2017	अप्रैल 15, 2018

टीएस–4 : भारतीय संस्कृति : पर्यटन के लिए परिप्रेक्ष्य
(अध्यापक जॉच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–4 **कार्यक्रम : बीटीएस**
कुल अंक : 100 **सत्रीय कार्य कोड : टीएस–4/टीएमए/2017**

नोटः किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600–600 'शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

---

1. विज्ञान के क्षेत्र में भारत का क्या योगदान है? उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। 20

2. संप्रदाय/सेक्ट से आप क्या समझते हैं? हिंदू धर्म में पाए जाने वाले विभिन्न संप्रदायों का विस्तार से वर्णन कोजिए। 20

3. ''हिन्दुस्तानी संगीत'' से आपका क्या अभिप्राय है? यह ''कर्नाटक संगीत'' से किस प्रकार भिन्न है? 20

4. भारतोय सिनेमा के ऊपर जन सिनेमा/प्यूपल थियेटर के प्रभाव की चर्चा कीजिए। उपयुक्त उदाहरण देते हुए अपने उत्तर को सिद्ध कीजिए। 20

5. सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने में संग्रहालयों की क्या भूमिका और उत्तरदायित हैं? 20

6. वि"ोष रूप से आगरा के संदर्भ में वास्तुकला की भारतीय–इस्लामिक शैली की महत्वपूर्ण वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए। 20

7. भारत में हस्ति"ाल्प के बढ़ते प्रचलन/कमोडिटाइजे**शन** की जॉच कीजिए। उपयुक्त उदाहरण भी दीजिए। 20

8. भारत की जनजातियों की विभिन्न धार्मिक प्रथाएँ क्या हैं? उपयुक्त उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए। 20

9. विभिन्न प्रकार के मीडिया/माध्यमों की चर्चा कीजिए। पर्यटन के विकास में इसके द्वारा किस प्रकार की भूमिका अदा की जाती है? 20

10. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिएः 10x2=20
    (क) आधुनिक भारतीय चित्रकला
    (ख) भारतीय सिनेमा में महिलाओं की छवि

टीएस–5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन

(अध्यापक जॉंच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : टीएस–5 **कार्यक्रम : बीटीएस**

कुल अंक : 100 **सत्रीय कार्य कोड : टीएस–5/टीएमए/2017**

नोटः किन्हीं पॉंच प्रश्नों के उत्तर लगभग 600–600 'शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। अपना टीएमए अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

---

1. पर्यावरण पर पर्यटन किस प्रकार दबाव डालता है। उन व्यवहारों का वर्णन कीजिए जो पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम कर सके।

20

2. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए: 4x5=20

   (क) पारिस्थितिकी–पर्यटन (Eco-Tourism)

   (ख) पर्यावरण और क्लासिकल कलाएँ

   (ग) ऑरल परम्परा में पर्यावरण

   (ख) प्रद"ानिजनित प्रभाव/डेमोंस्ट्रे"ान एफेक्ट

3. ''वर्तमान परिदृ"य में पर्यटन का विकास पर्यावरण की दृष्टि से विध्वंसात्मक रहा है''। उचित उदाहरण देते हुए इस कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए।

20

4. धारणीय/सस्टेनेबल पर्यटन विकास से आप क्या समझते हैं? इस पर व्यवहार में अमल करते समय आने वाली समस्याओं पर प्रका"ा डालिए और इन समस्याओं को दूर करने के उपाय सुझाइए। 20

5. ''वहन क्षमता'' शब्द की व्याख्या कीजिए। किसी पर्यटन गंतव्य स्थल/डेस्टिने"ान का विकास करते समय भौतिक वहन क्षमता की प्रासंगिकता का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

6. क्षेत्रीय असमानताओं से आप क्या समझते हैं? क्षेत्रीय विभेदता को न्यूनतम करने के लिए किसी पयटन व्यवसायी को किन–किन नीतियों और दि"ाा–निर्दे"ाों का अनुसरण करना पड़ता है?

20

7. उन विभिन्न स्पे"ाल इंट्रेस्ट टूरिज़्म (एस आई टी) का विस्तार से वर्णन कीजिए जिन्हें भारत द्वारा प्रदान किया जा सकता है? 20

8. पर्यटन का विकास स्थानीय समुदायों को किस प्रकार प्रभावित करता है? स्थानीय लोगों के सीमांतीकरण (marginalization) को कम करने और पर्यटन का और अधिक विकास सुनि"चत करने के विभिन्न माध्यम क्या हैं? 20

9. बताइए कि किस प्रकार पर्यटन, वन्य जीवन के संरक्षण के लिए एक माध्यम/टूल के रूप में काम कर सकता है? 20

10. उपयुक्त उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए कि होटलों के अनियोजित विकास से पर्यावरण को किस प्रकार क्षति पहुॅंची है? 20